खोजते जिसे स्वयं भगवान

कहां छुपा बैठा है अब तक वह सच्चा इंसान,
खोजते जिसे स्वयं भगवान,

जिसने रूखा सूखा खाया ,
पर न कहीं ईमान गवाया ,
उसने ही यह भोग लगाया ,
जिसे राम ने रूचि से खाया ,
स्वार्थ रहित सेवा ही उसकी , सेवा सुधा समान,
खोजते जिसे स्वयं भगवान ॥

जिसने जानी पीर पराई ,
परहित में निज देह खपाई ,
जिसने लगन दीप की पाई ,
तिल तिल कर निज देह जलाई ,
उसकी आभा से ही होगा , देवी का सम्मान,
खोजते जिसे स्वयं भगवान ॥

By योगेश तिवारी

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/7451/title/khojte-jise-swayam-bhagwan-kaha-chupa-betha-hai-ab-tak-veh-sacha-insaan-

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |